

经典诵读系列

小学生

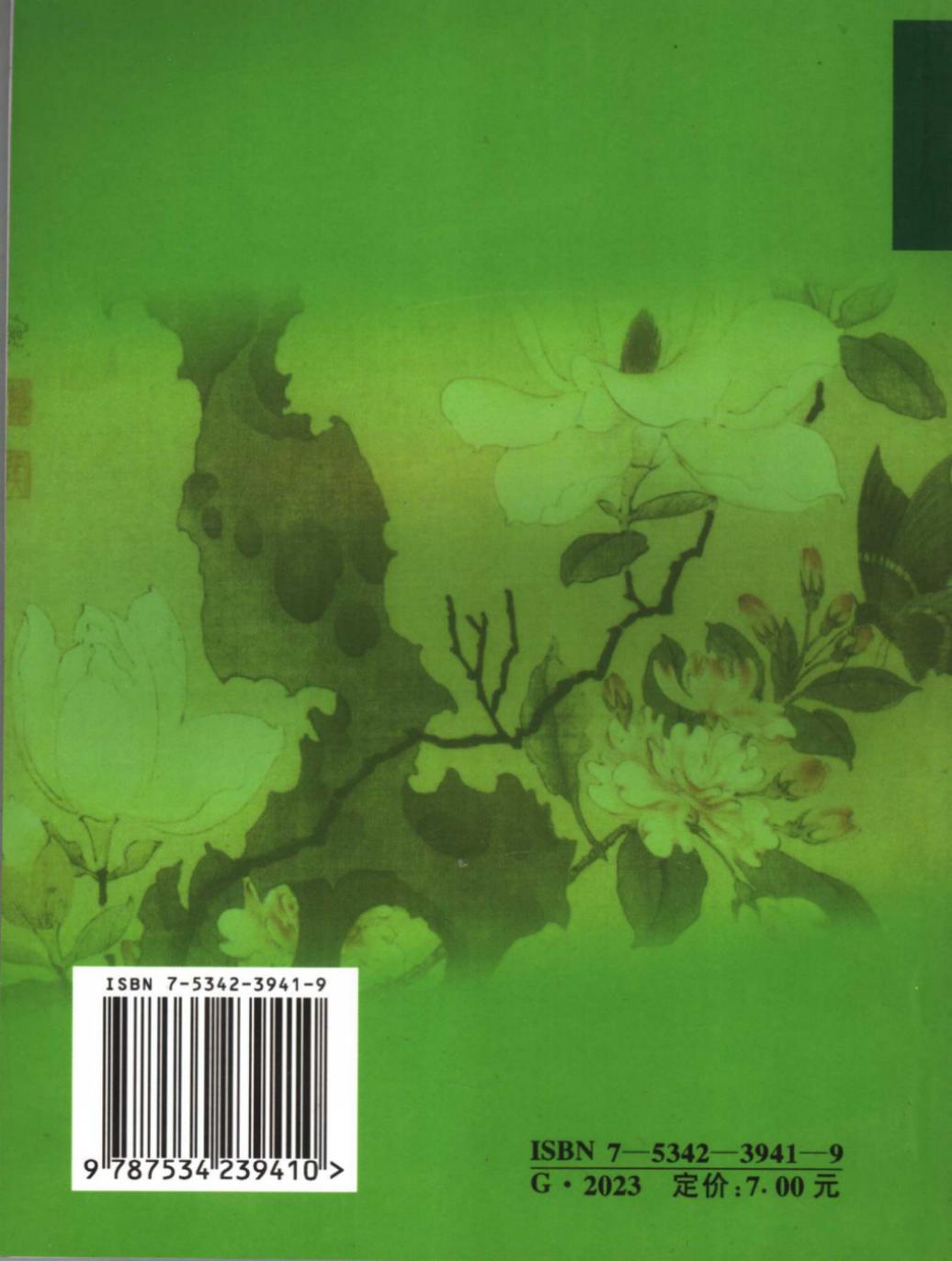
XIAOXUESHENG

BIBEIGUSHI70SHOU

必背

古诗70首

浙江少年儿童出版社



ISBN 7-5342-3941-9



9 787534 239410 >

ISBN 7—5342—3941—9  
G · 2023 定价：7.00 元

经典诵读系列

小学生

XIAOXUESHENG  
BIBEIGUSHI70SHOU

必背

古诗 70 首



浙江少年儿童出版社

## 图书在版编目(CIP)数据

小学生必背古诗 70 首/阮一峰, 庞琴编. —杭州: 浙江少年儿童出版社, 2006. 5 (2006. 7 重印)

(经典诵读系列)

ISBN 7-5342-3941-9

I. 小… II. ①阮…②庞… III. 古典诗歌-中国-小学-教学参考资料 IV. G624. 203

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2006) 第 020220 号

责任编辑 李肖波

美术编辑 张 鹰

责任印制 阙 云

封面设计 赵 路

小学生必背  
**古诗 70 首**  
阮一峰 庞琴 编

---

浙江少年儿童出版社出版发行

(杭州市天目山路 40 号)

杭州富阳美术印刷有限公司 全国各地新华书店经销

开本 850×1168 1/36 字数 80000 印张 4.666 印数 15201—20230

2006 年 5 月第 1 版 2006 年 7 月第 2 次印刷

---

ISBN 7-5342-3941-9/G·2023 定 价: 7.00 元

(如有印装质量问题, 影响阅读, 请与购买书店联系调换)

## 编者的话

教育部颁布的《全日制义务教育语文课程标准》明确提出小学生必须背诵70首优秀古代诗词。这些古诗词都是历代传诵的名篇佳作，是中国五千年诗歌史上的精华之作。但因推荐的70首古诗词散见于我国历代的诗词典籍中，要寻找搜集起来不容易，因此，我们编辑了这本小册子，以便于老师、学生、家长的使用。

本书为照顾中低年级学生的需要，原文部分加了现代汉语注音。“注解”则对难懂的字词、典故、地名进行通俗易懂的解释，以帮助学生在完整理解诗词的基本意思。“诗意”尝试用散文化的语言诠释古诗词的意境，启发学生的艺术想象能力。“链接”是对70首古诗词相关知识的拓展，有助于扩大知识面。

希望这本小册子能成为少年朋友们学习古诗词的好帮手。



## 目 录

- |    |                 |      |
|----|-----------------|------|
| 1  | 江南·1            | 汉乐府  |
| 2  | 敕勒歌·3           | 北朝民歌 |
| 3  | 咏鹅·5            | 骆宾王  |
| 4  | 风·8             | 李峤   |
| 5  | 咏柳·11           | 贺知章  |
| 6  | 凉州词·13          | 王之涣  |
| 7  | 登鹳雀楼·15         | 王之涣  |
| 8  | 春晓·17           | 孟浩然  |
| 9  | 凉州词(葡萄美酒夜光杯)·20 | 王 翰  |
| 10 | 出塞·22           | 王昌龄  |
| 11 | 芙蓉楼送辛渐·24       | 王昌龄  |
| 12 | 鹿柴·26           | 王 维  |
| 13 | 送元二使安西·28       | 王 维  |
| 14 | 九月九日忆山东兄弟·30    | 王 维  |





|    |                 |     |
|----|-----------------|-----|
| 15 | 静夜思·32          | 李 白 |
| 16 | 古朗月行(节选)·35     | 李 白 |
| 17 | 望庐山瀑布·37        | 李 白 |
| 18 | 赠汪伦·39          | 李 白 |
| 19 | 黄鹤楼送孟浩然之广陵·41   | 李 白 |
| 20 | 早发白帝城·43        | 李 白 |
| 21 | 望天门山·45         | 李 白 |
| 22 | 别董大·47          | 高 适 |
| 23 | 绝句(两个黄鹂鸣翠柳)·49  | 杜 甫 |
| 24 | 春夜喜雨·51         | 杜 甫 |
| 25 | 绝句(迟日江山丽)·53    | 杜 甫 |
| 26 | 江畔独步寻花·56       | 杜 甫 |
| 27 | 游子吟·58          | 孟 郊 |
| 28 | 江雪·60           | 柳宗元 |
| 29 | 寻隐者不遇·63        | 贾 岛 |
| 30 | 枫桥夜泊·66         | 张 继 |
| 31 | 渔歌子(西塞山前白鹭飞)·68 | 张志和 |
| 32 | 塞下曲(月黑雁飞高)·70   | 卢 纶 |
| 33 | 望洞庭·72          | 刘禹锡 |
| 34 | 浪淘沙(九曲黄河万里沙)·75 | 刘禹锡 |



- |    |                              |     |
|----|------------------------------|-----|
| 35 | 赋得古原草送别·77                   | 白居易 |
| 36 | 池上·79                        | 白居易 |
| 37 | 忆江南(江南好)·81                  | 白居易 |
| 38 | 悯农(锄禾日当午)·83                 | 李 绅 |
| 39 | 悯农(春种一粒粟)·85                 | 李 绅 |
| 40 | 山行·87                        | 杜 牧 |
| 41 | 清明·89                        | 杜 牧 |
| 42 | 江南春·92                       | 杜 牧 |
| 43 | 乐游原·94                       | 李商隐 |
| 44 | 蜂·96                         | 罗 隐 |
| 45 | 小儿垂钓·98                      | 胡令能 |
| 46 | 江上渔者·100                     | 范仲淹 |
| 47 | 元日·102                       | 王安石 |
| 48 | 泊船瓜洲·104                     | 王安石 |
| 49 | 书湖阴先生壁·106                   | 王安石 |
| 50 | 六月二十七日望湖楼醉书<br>(黑云翻墨未遮山)·109 | 苏 轼 |
| 51 | 饮湖上初晴后雨<br>(水光潋滟晴方好)·112     | 苏 轼 |
| 52 | 惠崇《春江晓景》·115                 | 苏 轼 |



- |    |                              |     |
|----|------------------------------|-----|
| 53 | 题西林壁·118                     | 苏 轼 |
| 54 | 夏日绝句·120                     | 李清照 |
| 55 | 示儿·122                       | 陆 游 |
| 56 | 秋夜将晓出篱门迎凉有感<br>(三万里河东入海)·124 | 陆 游 |
| 57 | 四时田园杂兴(昼出耘田夜绩麻)·127          | 范成大 |
| 58 | 四时田园杂兴(梅子金黄杏子肥)·129          | 范成大 |
| 59 | 小池·131                       | 杨万里 |
| 60 | 晓出净慈寺送林子方·134                | 杨万里 |
| 61 | 春日·136                       | 朱 熹 |
| 62 | 题临安邸·138                     | 林 升 |
| 63 | 游园不值·140                     | 叶绍翁 |
| 64 | 乡村四月·142                     | 翁 卷 |
| 65 | 墨梅(我家洗砚池头树)·144              | 王 冕 |
| 66 | 石灰吟·147                      | 于 谦 |
| 67 | 村居·150                       | 高 鼎 |
| 68 | 竹石·152                       | 郑 燮 |
| 69 | 所见·155                       | 袁 枚 |
| 70 | 己亥杂诗(九州生气恃风雷)·157            | 龚自珍 |



1

jiāng      nán  
江      南

hàn yuè fǔ  
汉乐府

jiāng nán kě cǎi lián      lián yè hé tián tián 。  
江 南 可 采 莲 ， 莲 叶 何 田 田 。

yú xì lián yè jiān      yú xì lián yè dōng ,  
鱼 戏 莲 叶 间 。 鱼 戏 莲 叶 东 ，

yú xì lián yè xī      yú xì lián yè nán ,  
鱼 戏 莲 叶 西 ， 鱼 戏 莲 叶 南 ，

yú xì lián yè běi 。  
鱼 戏 莲 叶 北 。





### 注解

- ①可：正当。 ②莲：指莲蓬。 ③何：多么。  
④田田：形容莲叶茂盛的样子。 ⑤戏：游戏。



### 诗意

正是江南可以采摘莲蓬的时节。池塘里，绿油油的莲叶让人看了心旷神怡。在莲叶之间，成群的鱼儿自由自在地嬉戏着，它们一会儿游到莲叶的东面，一会儿游到莲叶的西面，一会儿游到莲叶的南面，一会儿游到莲叶的北面，多么有趣！



### 链接

什么是乐府？

乐府原来是古代掌管音乐的官署，创建于秦代。到汉代时，乐府的规模变得庞大起来。它不仅要掌管朝廷的音乐活动，还要负责收集民间的诗歌和乐曲。后来人们就把经过乐府整理配乐的民间诗歌统称为“乐府”。“汉乐府”就是指汉代的乐府诗歌。



2

chì      lè      gē  
敕   勒   歌

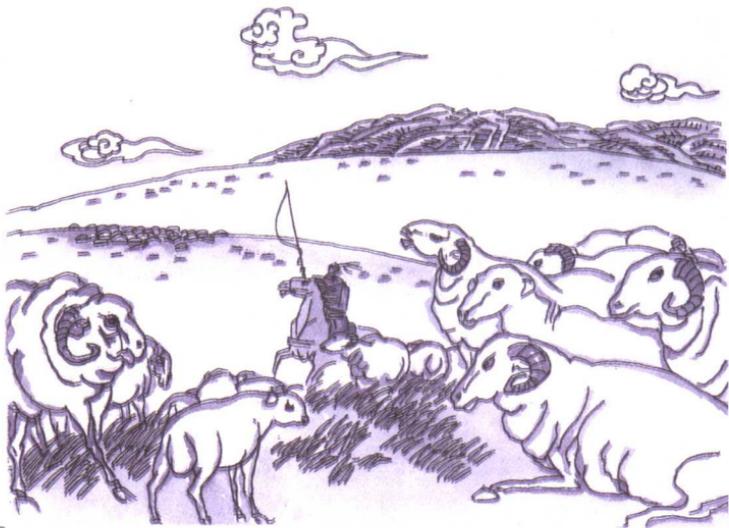
běi cháo mín gē  
北 朝 民 歌

chì   lè   chuān      yīn   shān   xià  
敕   勒   川   ，   阴   山   下   。

tiān   sì   qióng   lú      lǒng   gài   sì   yě  
天   似   穹   庐   ，   笼   盖   四   野   。

tiān   cāng   cāng      yě   máng   máng  
天   苍   苍   ，   野   茫   茫   。

fēng   chuī   cǎo   dī   xiàn   niú   yáng  
风   吹   草   低   见   牛   羊   。





### 注解

①敕勒：北齐时候的一个少数民族，大多居住在朔州（今山西、内蒙古一带）。②阴山：山名，横贯今内蒙古自治区南部。③穹庐：游牧民族居住的毡帐。④见：同“现”，显露。



### 诗意

一望无际的敕勒平原，就在那绵延千里的阴山脚下。天空像一顶巨大无比的帐篷，把东南西北的大地都笼罩住了。天空湛蓝湛蓝，看不到尽头。原野辽阔无边，与天际相连。一阵微风拂过，牧草纷纷低下头，你可以看见草原上成群的牛和羊。



### 链接

什么是通假字？

通假字是学习古文时常常要遇到的情况，它是古汉语中的一个比较显著的语言特点。所谓“通假”，顾名思义就是通用和假借，就是用一个读音相同或相近的字来替代另一个字使用。这首诗中的“见”就是一个通假字，用来表示“现”的意思。



3

yǒng                      é  
咏                      鹅

táng      luò bīn wáng  
【唐】骆宾王

é              é              é  
鹅，鹅，鹅，  
qū xiàng xiàng tiān gē  
曲项向天歌。  
bái máo fú lǜ shuǐ  
白毛浮绿水，  
hóng zhǎng bō qīng bō  
红掌拨清波。





### 作者

骆宾王,字观光,婺州义乌(今浙江义乌)人,大约生于公元640年。他七岁时就能做诗,被称为“神童”。



### 注解

- ①咏:用诗歌来叙述或描写事物。 ②曲:弯曲。  
③项:脖子。



### 诗意

鹅啊!鹅啊!鹅啊!你弯曲着脖子,对着天空唱着什么歌儿呢?像白云一样的羽毛浮在碧绿的水波上,红红的脚掌在清澈的水波里不停地划动。



### 链接

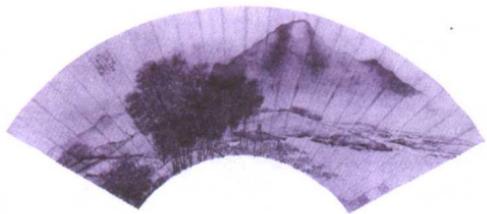
#### 义乌的“宾王路”

骆宾王曾经在朝廷里当过一名小官员。在当时,他与王勃、杨炯、卢照邻一起被人们称为“初唐四杰”。公元684年,徐敬业起兵反对武则天,骆宾王参与并起草了声讨武则天的檄文。这篇檄文列举武则天的罪状,战斗性很强,文字又华美,被人广为传诵。



武则天看了后,不得不钦佩作者的才华,说:“这样的人才流失,是宰相的过错啊!”

浙江义乌市有一个全国最大的小商品市场。在义乌市,有一条繁华而宽阔的大马路,名字叫“宾王路”。这是骆宾王故乡的人民对这位著名诗人的纪念。



fēng  
风táng lǐ qiáo  
【唐】李峤

jiě luò sān qiū yè ,  
解 落 三 秋 叶 ，  
néng kāi èr yuè huā 。  
能 开 二 月 花 。  
guò jiāng qiān chǐ làng ,  
过 江 千 尺 浪 ，  
rù zhú wàn gān xié 。  
入 竹 万 竿 斜 。

